मॉड्यूल 7: सामाजिक व्यवहार परिवर्तन–बाल संरक्षण

सत्र 1: प्रभावी संचार के लिए कौशल

अवधि: 3:49 मिनट

संक्षिप्त व्याख्या

संक्षिप्त व्याख्या करते हुए संप्रेषक संदेश को अपने शब्दों में दोहराते हैं।

संक्षिप्त व्याख्या करने का उद्देश्य

- यह जताना कि बताने वाले ने जो कुछ कहा है उसे आप समझ गए हैं।
- बातों को सरल और स्पष्ट शब्दों में बताकर बोलने वाले व्यक्ति की मदद करना।
- ऐसा करने से बोलने वाले व्यक्ति को अपनी बात को और अधिक विस्तार से बताने के लिए
- प्रोत्साहन देना।
- अपनी समझ को जांच लेना।

प्रोत्साहन देना

जब तक संचार दो तरफा न हो, वह प्रभावी नहीं हो सकता। लोगों को खुलकर बोलने, प्रश्न पूछने और अपने विचार देने के लिए प्रोत्साहित करें, भले ही वो आपकी बातों से सहमत न हो। उनके विचारों और मतों का आदर करें। उनको प्रोत्साहन दें। उनके साथ अच्छा तालमेल स्थापित करें।

उदाहरणों को देखें और सोचें कि किसी को प्रोत्साहित करने के लिए कौन सा बेहतर है।

उदाहरण–1: हमने आपको पर्यवेक्षण गृह के अन्य बच्चों के साथ घुलने–मिलने और छोटे बच्चों की सहायता में हिस्सा लेने के फायदों के बारे में बताया था। हमें खुशी है कि आपने हमारी बात मान ली है और ऐसा करना शुरू कर दिया है।

उदाहरण–2: हमें खुशी है कि आपने निगरानी घर के दूसरे बच्चों के साथ घुलना–मिलना और छोटे बच्चों की सहायता करनी शुरू कर दी है।

सारांश करना

सारांश करने का अर्थ है एक या एक से अधिक संक्षिप्त व्याख्यानों को मिलाना जो सत्र के संदेशों को दर्शाते हैं।

सारांश करने का लक्ष्य है:

- संदेशों के विभिन्न हिस्सों को जोड़ना।
- इन संदेशों में किसी समान विषय को पहचानना।
- किसी सत्र की शुरुआत या अंत करना।

- प्रगति की समीक्षा करना।
- एक विषय से दूसरे विषय पर जाने के दौरान पड़ाव की तरह इस्तेमाल करना।

प्रश्न पूछना

- प्रश्न पूछना किसी भी संचार के दौरान हस्तक्षेप का अहम् हिस्सा है। यहां हम दो प्रकार के प्रश्नों के
- बारे में बात करेंगे – खुले प्रश्न और बंद प्रश्न।
- खुले प्रश्न ऐसे प्रश्न होते हैं जिनका जवाब आसानी से "हां" या ""नहीं", उ, आ दो–शब्दों के वाक्य
- में नहीं दिया जा सकता। उदाहरण के लिए:
- पर्यवेक्षण गृह में आपको किस तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है? निगरानी घर में आपकी दिनचर्या क्या है?
- पर्यवेक्षण गृह में रहने वाले दूसरे बच्चों के साथ आप तालमेल क्यों नहीं बैठा पा रहे हो?

खुले प्रश्न पूछने का उद्देश्य

- किसी विषय पर विस्तार से पूछने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सामने वाले को प्रेरित और प्रोत्साहित करना।
- बंद प्रश्न ऐसे प्रश्न होते हैं जिनका जवाब "हां" या "नहीं" या एक–दो शब्दों के वाक्यों द्वारा दिया जा सकता है।

उदाहरण

- पर्यवेक्षण गृह के दूसरे बच्चों के साथ क्या आपका तालमेल अच्छा है?
- क्या आप सामुदायिक सेवा कार्यों में हिस्सा लेते हो?
- क्या आप पर्यवेक्षण गृह के दूसरे बच्चों के साथ अपनी समस्याओं पर चर्चा करते हो?

बंद प्रश्न पूछने का उद्देश्य

- कुछ विशेष जानकारी हासिल करना।
- किसी समस्या के मापदंड की पहचान करना।
- चर्चा के विषय को सीमित करना।

प्रश्न पूछते समय खुले और बंद प्रश्नों के अलावा कई अन्य बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

- प्रश्न पूछते समयऐसे शब्दों का उपयोग किया जाना चाहिए जो लोग आसानी से समझ सकते हों
- एक समय में बहुत से प्रश्न न पूछे
- प्रश्न पूछने के बाद उत्तर पाने के लिए इंतजार करें
- जब कोई प्रश्न सही से समझ में नहीं आया हो, तो वह प्रश्न अलग तरीके से पूछा जाना चाहिए